

अपवाद (i) [सम् उपसर्ग + कृ धातु]

↓
०

स्

यदि सम् उपसर्ग के बाद 'कृ' धातु

से बनेने वाले शब्द आ जायें तो सम् उपसर्ग और कृ धातु के बीच

'स्' का आगम हो जाता है तथा 'म्' का अनुस्वार हो जाता है-

जैसे-

सम् + कृत = संस्कृत
सम् + कृति = संस्कृति
सम् + कर्ता = संस्कर्ता

सम् + करण = संस्करण
सम् + कार = संस्कार
सम् + कार्य = संस्कार्य

अपवाद (ii) परि उपसर्ग + कृधातु

✓
ष् का आगम

यदि 'परि' उपसर्ग के बाद 'कृ' धातु से बनने वाले शब्द आ जायें तो 'परि' उपसर्ग और 'कृ' धातु के बीच 'ष्' का आगम हो जाता है

परि + कृत = परिष्कृत
परि + कृति = परिष्कृति
परि + कर्ता = परिष्कर्ता

परि + करण = परिष्करण
परि + कारु = परिष्कार
परि + कार्य = परिष्कार्य

अनुनासिक व्यंजन संधि नियम - (ii) म् + म/न

म् का अगे आने वाले वर्ण (म/न) जैसा रूप हो जाता है।

यदि 'म्' के बाद 'म/न' वर्ण आ जाएं तो 'म्' का अगेले वर्ण (म/न) जैसा ही रूप हो जाता है -

जैसे - सम् + मेलन - सम्मेलन, सम् + मति - सम्मति,
 सम् + मोहन - सम्मोहन, सम् + निकल - सन्निकल
 सम् + निहित - सन्निहित, सम् + न्यासी - सन्न्यासी

अनुनासिक व्यंजन संधि - (iii) म् + ^{अन्तःस्थ}य/र/ल/व/श/ष/स/ह^{उष्म}
 अनुस्वार (ं) ही होता है

यदि 'म्' के बाद 'य, र, ल, व, श, ष, स, ह' वर्ण आ जायें तो
 म् का अनुस्वार ही होता है -

जैसे - सम् + यम = संयम, सम् + योग = संयोग,
 सम् + रचना = संरचना, सम् + रूप = संरूप

सम् + राष्ट्र - संराष्ट्र, सम् + लग्न - संलग्न
सम् + लाप - संलाप, सम् + लिखित - संलिखित,
स्वयम् + वर - स्वयंवर, सम् + विधान - संविधान
सम् + विज्ञान - संविज्ञान, सम् + विकार - संविकार
सम् + शय - संशय, सम् + सार - संसार
सम् + हार - संहार

नियम-५) मूर्धन्य व्यंजन संधि- (i) [स् + त/थ]
लै/उँ

यदि (मूर्धन्य) 'स्' के बाद 'त/थ' वर्ण आ जाए तो 'त' का 'ट' और 'थ' का 'ठ' हो जाता है- जैसे- स् + ति - वृष्टि

हृस् + ति - हृष्टि, सृस् + ति - सृष्टि

वृस् + ति - वृष्टि, उत्कृष्ट - उत्कृष् + त

अस् + थ - अष्ठ लै/उँ
आकृष्ट - आकृष् + त लै/उँ

(ii) [इ/उ + स/थ]
 षै/ऊँ

यदि 'इ/उ' के बाद 'स/थ' वर्ण आ जाए

तो 'स' का ष और 'थ' का ऊ हो जाता है-

जैसे- वि + सम - विषम, वि + साद - विषाद
 षै षै

परि + सद - परिषद्, अनु + संगी - अनुषंगी
 षै षै

युधि + स्थिर - युधिष्ठिर, प्रति + स्था - प्रतिष्ठा

प्रति + स्थान - प्रतिष्ठान, अनु + स्थान - अनुष्ठान

वि + स्था - विष्ठा, नि + स्था - निष्ठा

अपवाद - वि + सर्ग - विसर्ग, अनु + सार - अनुसार

वि + स्थापित - विस्थापित